NATIONAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

POPULATION FOUNDATION OF INDIA

सचिवालय
एडवाइज़री ग्रुप ऑन कम्युनिटी एक्शन

कम्युनिटी एक्शन फॉर हेल्थ

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत

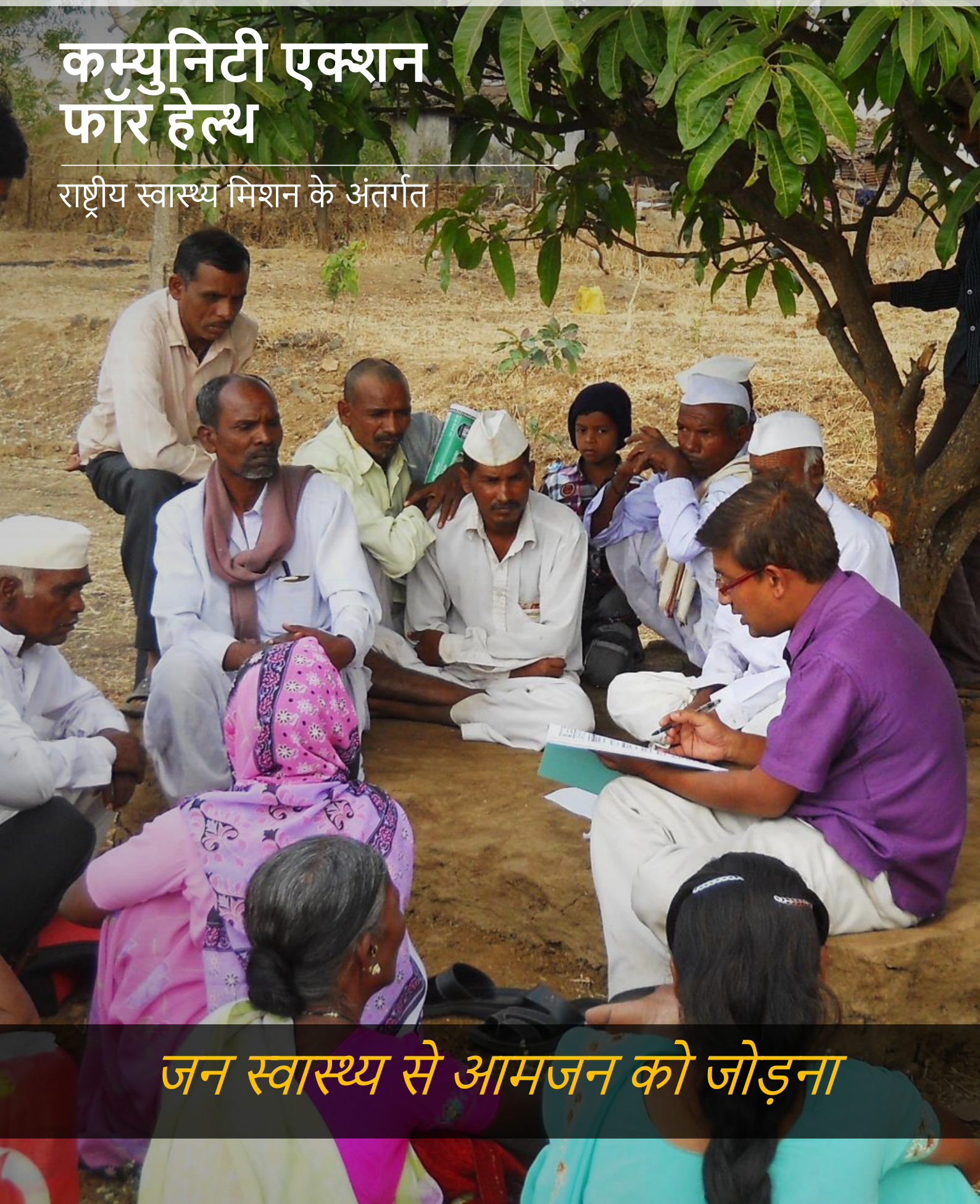

जन स्वास्थ्य से आमजन को जोड़ना

कम्युनिटी एक्शन फॉर हेल्थ

कम्युनिटी एक्शन फॉर हेल्थ, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण रणनीति है जोकि लोगों को स्वास्थ्य प्रणाली के केंद्र में रखती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि समुदाय की स्वास्थ्य सम्बन्धी आवश्यकताओं और अधिकारों का समुचित ध्यान रखा जा रहा है। इस प्रकार यह समुदाय के सदस्यों, समुदाय आधारित संगठनों, और चयनित प्रतिनिधियों को सशक्त करता है कि वे उनके क्षेत्र में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की योजनाओं की प्रगति की निगरानी में भागीदार बन सकें और अंततः, समतापरक, पहुँच के भीतर और गुणवत्तापरक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता की दिशा में सहयोग कर सकें।

कम्युनिटी एक्शन क्यों?

- स्वास्थ्य के अधिकारों के लिए सामुदाय स्तर पर जागरूकता लाई जा सके।
- सामुदायिक स्वामित्व व हाशिये पर खड़े समूहों की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा दिया जा सके।
- स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए पंचायती राज संस्थाओं को निगरानी, नियोजन और बजट आवंटन प्रक्रिया में शामिल किया जा सके।
- समुदाय की प्रतिक्रिया और सेवा प्रदाताओं व चयनित प्रतिनिधियों के साथ संवाद हेतु एक मंच प्रदान किया जा सके।
- स्वास्थ्य सेवाओं को प्रदान करने की प्रक्रिया की खामियों की पहचान की जा सके और सुधारात्मक उपायों को प्रोत्साहित किया जा सके।
- ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समितियों, महिला आरोग्य समितियों, और रोगी कल्याण समितियों के माध्यम से स्थानीय प्राथमिकताओं हेतु अनटाइड फण्ड के समुचित उपयोग को सुनिश्चित किया जा सके।

प्रक्रियायें

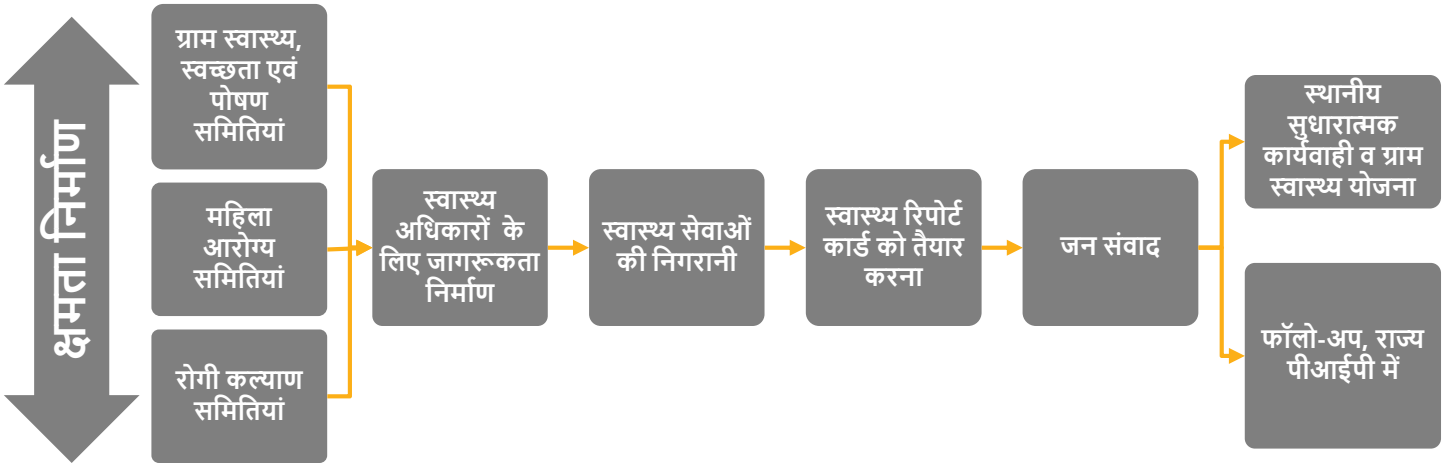

एडवाइज़री ग्रुप ऑन कम्युनिटी एक्शन

एडवाइज़री ग्रुप ऑन कम्युनिटी एक्शन (एजीसीए) का गठन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत वर्ष 2005 में सामुदायिक निगरानी प्रक्रियाओं को दिशा देने के उद्देश्य से किया गया था, विशेषकर राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जवाबदेहिता सम्बन्धी नवाचार के तहत। एजीसीए, जिसमें देश भर के जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ शामिल हैं, का मुख्य कार्य जमीनी वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए नीतियों और कार्यक्रमों के निर्माण में अपने विचार प्रस्तुत करना और दिशानिर्देशन करना है। एजीसीए का सचिवालय पापुलेशन फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया में स्थित है जिसकी कोर टीम राज्य सरकारों को तकनीकी सहयोग मुहैया कराती है।

एजीसीए राज्य सरकारों को निम्न मुद्दों पर तकनीकी सहयोग प्रदान करती है:

- कम्युनिटी एक्शन फॉर हेल्थ हेतु योजनाओं को विकसित करने हेतु राज्य स्तर पर 'परिकल्पना और नियोजन' कार्यशालाओं को आयोजित करना।
- राज्य सरकारों के साथ सामुदायिक प्रयास पर नवीन विधाओं को अमल में लाना।
- राज्य के नोडल अधिकारियों व क्रियान्वयन करने वाले संगठनों का क्षमता निर्माण।
- दिशा-निर्देशिकाओं, टूल्स, और संदर्भ सामग्री का राज्यों के संदर्भ में रूपांतरण।
- समय-समय पर क्रियांवित कार्यक्रम व गतिविधियों की समीक्षा आयोजित करना।

एजीसीए सदस्य

- श्री अमूल्य रतन नंदा
- डॉ. अभय शुक्ला
- डॉ. अभिजीत दास
- श्री आलोक मुखोपाध्याय
- श्री गोपी गोपालाकृष्णन
- डॉ. एच. सुदर्शन
- सुश्री इंदु कपूर
- सुश्री मिरायी चटर्जी
- डॉ. नरेंद्र गुप्ता
- डॉ. एम. प्रकासम्मा
- सुश्री पूनम मुटरेजा
- डॉ. शरद आयंगर
- डॉ. थेलमा नारायन
- डॉ. विजय अरुलदास

कार्यक्षेत्र विस्तार

(वित्तीय वर्ष 2019-20)

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रदत्त वित्तीय सहायता से 'कम्युनिटी एक्शन फॉर हेल्थ' कार्यक्रम भारत के **24 राज्यों** व केंद्र शासित प्रदेशों में क्रियान्वित किया जा रहा है, जोकि संभवतः इसे विश्व का सबसे बड़ा समुदाय-प्रेरित जवाबदेहिता वाला उपक्रम बनाता है।

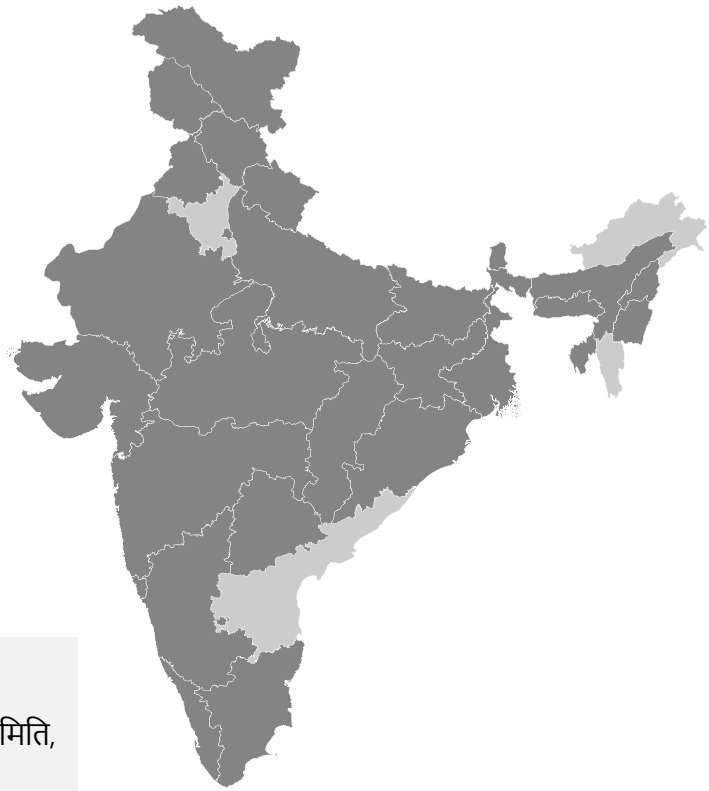

2,24,186 गांव

372 जिले, जिसमें **51** आकांक्षी (एस्पिरेशनल) जिले

72 शहर

1260 मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षित

22229 ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता व पोषण समिति, महिला आरोग्य समिति, व रोगी कल्याण समिति सदस्य प्रशिक्षित

9 राज्यों में **2442** जन संवाद आयोजित

13वें कॉमन रिव्यु मिशन के तहत **4** राज्यों का भ्रमण

नए उपक्रम

रोगी कल्याण समिति सशक्तिकरण - उत्तर प्रदेश, गोवा, झारखण्ड, सिक्किम व उड़िशा

रोगी कल्याण समितियों की कार्यप्रणाली में सुधार करते हुए रोगियों हेतु बेहतर गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं को सुनिश्चित करना।

मुख्य परिणाम

- उच्च जोखिम वाले मरीजों के लिए रक्त संग्रहण इकाइयों को चालू करना
- सेवा प्रदान करने की प्रक्रियाओं को बेहतर करना जिसमें लेबर कक्ष में निजता बनाये रखने संबंधी व्यवस्थाएं भी सम्मिलित हैं

स्वास्थ्य सेवाओं का सामाजिक अंकेक्षण - झारखण्ड, मेघालय व उत्तराखंड

स्वास्थ्य सेवाओं के सामाजिक अंकेक्षण हेतु व चिन्हित कमियों को दूर करने के उपाय खोजने हेतु स्थानीय समुदाय को प्रेरित करना।

मुख्य परिणाम

- अनेक लाभार्थियों व आशाओं की रुकी हुई प्रेरक राशि का आवंटन
- उप-स्वास्थ्य केन्द्रों व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के निर्माण व मरम्मत हेतु संसाधनों का आवंटन

हेल्थ एंड वैलनेस केन्द्रों की सामुदायिक निगरानी- असम

हेल्थ एंड वैलनेस केन्द्रों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सामुदायिक जुड़ाव और निगरानी को प्रोत्साहित करना।

मुख्य परिणाम

- जन सुविधाओं, जिसमें बैठने की व्यवस्था एवं जल आपूर्ति, में सुधार हेतु स्थानीय स्व-शासन संस्थाओं द्वारा संसाधन सहयोग
- सामुदायिक प्रतिक्रियाओं के आधार पर दवाओं व अन्य उपयोगी वस्तुओं की आपूर्ति प्रक्रिया को ठीक करना

नए उपक्रम
(क्रमशः)

कम्युनिटी एक्शन फॉर हेल्थ में युवाओं का जुड़ाव : बिहार

प्रायोगिक परियोजनाओं वाले दो जिलों दरभंगा और नवादा में किशोर प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य कार्यक्रम की निगरानी हेतु युवा नेतृत्व को विकसित करना।

मुख्य परिणाम

- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों/ सब-डिवीजनल अस्पतालों में चार युवा क्लीनिक (एडोलेसेंट फ्रेंडली हेल्थ सेंटर) की स्थापना
- नवादा जिला मजिस्ट्रेट द्वारा एस्पिरेशनल जिला फण्ड से 12 युवा क्लीनिक स्थापित करने का वादा

शहरी स्तर पर कम्युनिटी एक्शन फॉर हेल्थ: उड़िशा, गुजरात और केरल

शहरी स्वास्थ्य एवं पोषण दिवसों तथा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी हेतु महिला आरोग्य समिति सदस्यों को शामिल करना।

मुख्य परिणाम

- शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर सांयकालीन ओपीडी को नियमित करना
- शहरी स्वास्थ्य एवं पोषण दिवसों के दौरान गर्भवती महिलाओं की जांचों हेतु निजता व्यवस्था आरंभ होना

आरोग्य ग्राम सभाएं: महाराष्ट्र

आरोग्य ग्राम सभाओं के माध्यम से स्थानीय स्वास्थ्य मुद्दों के समाधान के प्रयास

मुख्य परिणाम

- स्थानीय लोगों के स्वैच्छिक सहयोग से गाँव में नल के पानी की आपूर्ति
- पंचायतों द्वारा 14वें वित्त आयोग फण्ड का उपयोग करते हुए उप स्वास्थ्य केन्द्रों के भवनों व सुविधाओं में सुधार

संदर्भ सामग्री

"जब हमारे क्षेत्र में समुदाय आधारित निगरानी का कार्य आरम्भ हुआ तो मैं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) चंदनापुरी की नियोजन एवं निगरानी समिति (पीएमसी) का सदस्य बना। तब मुझे यह अहसास हुआ कि इस पीएचसी पर वे समस्त सुविधाएँ मौजूद हैं जिनके लिए मैं अब तक निजी अस्पतालों में पैसा दे रहा था। अब मैं केवल इसी पीएचसी पर आता हूँ और मैंने अन्य लोगों को भी प्रेरित किया है। अब यहाँ अधिक संख्या में लोग आते हैं... ओपीडी में प्रतिदिन रोगियों की संख्या लगभग 150 है! यह परिवर्तन हम सभी पीएमसी सदस्यों व पीएचसी स्टाफ सदस्यों के संयुक्त प्रयासों से संभव हो सका।"

- ज्ञानदेव भीमाजी रहाने
पुलिस पाटिल और पीएचसी-पीएमसी सदस्य, चंदनापुरी पीएचसी, खाम्बे गांव, संगमनेर ब्लाक, जिला अहमदनगर, महाराष्ट्र।

सचिवालय
एडवाइज़री ग्रुप ऑन कम्युनिटी एक्शन
बी- 28, क़ुतुब इंस्टिट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली – 110016
फोन: +91 11 43894 100
ई-मेल: agca@populationfoundation.in
www.nrhmcommunityaction.org | www.populationfoundation.in